ECONOMICS AND STATISTICS REVIEW UTTAR PRADESH
(Quarterly News Letter)

Volume-VII July-September 2016 No.2

In This Issue:

- **Highlights of Activities**
- **Training/Seminars**
- **Personnel**
- **Photo-Section**
- **Current Statistics**
- **Publications**

EDITORIAL BOARD

PATRON
Principal Secretary,
Planning,
Govt. of UP

CHIEF EDITOR
Director,
DES,UP.

Members
Sri Arvind Kumar Pandey,Joint Director
Dr. Divya Sarin Mehrotra, Joint Director
Sri Amlendu Rai ,Dy Director
Smt. Dumnesh Diksha Sahu, E.St. O.
Sri Arun Kumar Gupta, E.St. O.
Sri Ajay Kumar Srivastava, Addl. St. O.
Sri Rakesh Kumar, Addl. St. O.

FROM DIRECTOR'S DESK

सन्देश

अत्यन्त हर्ष का विषय है कि प्रभाग द्वारा त्रैमासान्त जुलाई–सितम्बर 2016 से सम्बन्धित त्रैमासिक न्यूज लेटर का प्रकाशन किया जा रहा है। त्रैमासिक आधार पर प्रकाशित होने वाली इस पत्रिका में प्रभाग के सांख्यिकीय कार्यों से सम्बन्धित आँकड़े, रिपोर्ट एव अन्य गतिविधियों संवर्द्धन निरूपण समावेशित रहता है।

प्रस्तुत अंक में रा.प्र.स. 68वी आवृत्ति के आधार पर " उ.प्र. में रोजगार–बेरोजगारी की स्थिति" से सम्बन्धित निष्कर्ष प्रस्तुत है। आलोच्य अवधि में दिनांक 12.07.2016 को उ.प्र. सरकार के मंत्री श्री महबूब अली द्वारा विभागीय कार्यों की समीक्षा की गयी तथा प्रभाग के अधिकारियों को शासन की मंशा के अनुरूप अग्रेत्तर पारदर्शी प्रकार के आवश्यक आँकड़े सर्वसुलभ कराने की कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिये गये।

इस न्यूज लेटर को संरचित करने हेतु प्रभाग के समस्त अनुभागों के अधिकारियों एवं सहायकों का अपेक्षित सहयोग सराहनीय है। साथ ही इन त्रैमासिक प्रकाशनों को और अधिक सूचनापरक बनाने के लिए मैं आपके बहुमूल्य सुझावों का स्वागत करता हूँ।

(गिरजा शंकर कटियार)
निदेशक, अर्थ एवं संख्या, उ.प्र.

1- PRICE AND WAGE STATISTICS (base year 2004-05)

1. उत्तर प्रदेश के थोक भाव सामान्य सूचकांक (आधार वर्ष 2004–05=100) में त्रैमास अप्रैल–जून 2016 का औसत सूचकांक 212.50 गत त्रैमास जनवरी–मार्च 2016 के औसत सूचकांक 207.05 की तुलना में 2.6 प्रतिशत अधिक रहा तथा गत वर्ष के संगत त्रैमास अप्रैल–जून 2015 के औसत सूचकांक 199.66 की तुलना में 6.4 प्रतिशत अधिक रहा। उत्तर प्रदेश में प्रमुख वर्गवार थोक भाव सूचकांक का तुलनात्मक ग्राफ निम्नवत हैः–

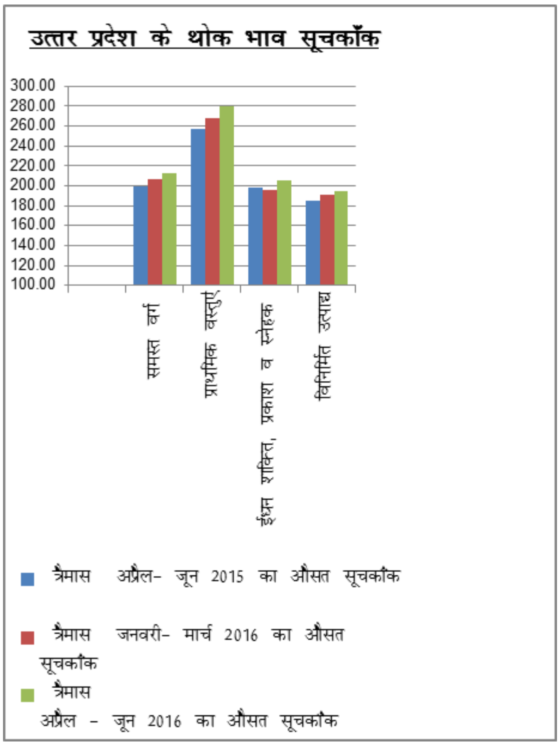

2. उत्तर प्रदेश के ग्रामीण उपभोक्ता भाव सामान्य सूचकांक (आधार वर्ष 2004–05=100) में त्रैमास अप्रैल–जून 2016 का औसत सूचकांक 253.34 गत त्रैमास जनवरी–मार्च 2016 के औसत सूचकांक 248. 50 की तुलना में 1.95 प्रतिशत अधिक रहा तथा गत वर्ष के संगत त्रैमास अप्रैल–जून 2015 के औसत सूचकांक 233.39 की तुलना में 8.55 प्रतिशत अधिक रहा। उत्तर प्रदेश के ग्रामीण उपभोक्ता भाव सूचकांक के प्रमुख वर्गवार वर्गों का तुलनात्मक ग्राफ निम्नवत हैंः–

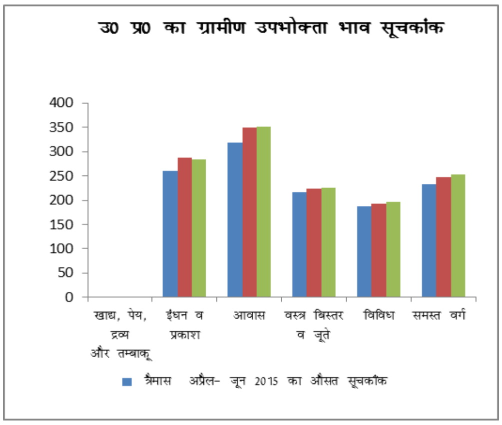

3. उत्तर प्रदेश के नगरीय उपभोक्ता भाव सामान्य सूचकांक (आधार वर्ष 2004–05=100) में त्रैमास अप्रैल–जून 2016 का औसत सूचकांक 234.31 गत त्रैमास जनवरी–मार्च 2016 का औसत सूचकांक 229.64 की तुलना में 2.03 प्रतिशत अधिक रहा तथा गत वर्ष के संगत त्रैमास अप्रैल–जून 2015 के औसत सूचकांक 215. 97 की तुलना में 6.34 प्रतिशत अधिक रहा। उत्तर प्रदेश के नगरीय उपभोक्ता भाव सूचकांक के प्रमुख वर्गवार वर्गों का तुलनात्मक ग्राफ निम्नवत हैं:–

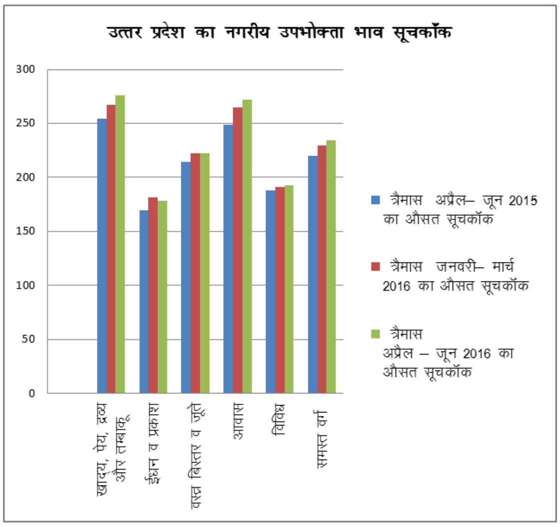

4. उत्तर प्रदेश के ग्रामीण मजदूरी दर सूचकांक के अन्तर्गत (आधार वर्ष 2004–05=100) त्रैमास अप्रैल–जून 2016 में बढ़ई, राज व कृषि श्रमिक का मजूदरी दर सूचकांक क्रमशः 321.23, 329.97 व 365.70 गत त्रैमास जनवरी–मार्च 2016 में बढ़ई, राज व कृषि श्रमिक का मजूदरी दर सूचकांक क्रमशः 315.60, 322.01 व 352.28 की तुलना में क्रमशः 1.8 प्रतिशत, 2.5 प्रतिशत व 3.8 प्रतिशत अधिक रहा तथा गत वर्ष के संगत त्रैमास अप्रैल–जून 2015 के औसत सूचकांक क्रमशः 300.97, 309.71

व 339.63 की तुलना में क्रमशः 6.7 प्रतिशत, 6.5 प्रतिशत व 7.7 प्रतिशत अधिक रहा। उत्तर प्रदेश के ग्रामीण मजदूरी दर सूचकांक के विभिन्न वर्गों का ग्राफ निम्नवत हैं:–

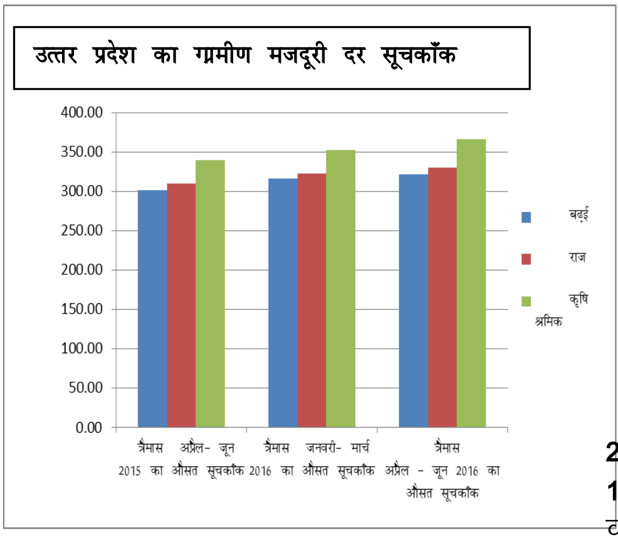

5. **उत्तर प्रदेश के नगरीय मजदूरी दर** सामान्य सूचकांक (आधार वर्ष 2004–05=100) में त्रैमास अप्रैल–जून 2016 में बढ़ई, राज व अकुशल श्रमिक की मजूदरी दर का औसत सूचकांक क्रमशः 318.77, 325.04, व 394.47 गत त्रैमास जनवरी–मार्च 2016 में बढ़ई, राज व अकुशल श्रमिक की मजूदरी दर का औसत सूचकांक क्रमशः 314.16, 322.19 व 387.76 की तुलना में क्रमशः 1.5 प्रतिशत, 0.9 प्रतिशत व 1.7 प्रतिशत अधिक रहा तथा गत वर्ष के संगत त्रैमास अप्रैल–जून 2015 के औसत सूचकांक क्रमशः 299.91, 312.90 व 373.99 की तुलना में क्रमशः 6.3 प्रतिशत, 3.9 प्रतिशत व 5.5 प्रतिशत अधिक रहा। उत्तर प्रदेश के नगरीय मजदूरी दर सूचकांक के विभिन्न वर्गों का ग्राफ निम्नवत हैं:–

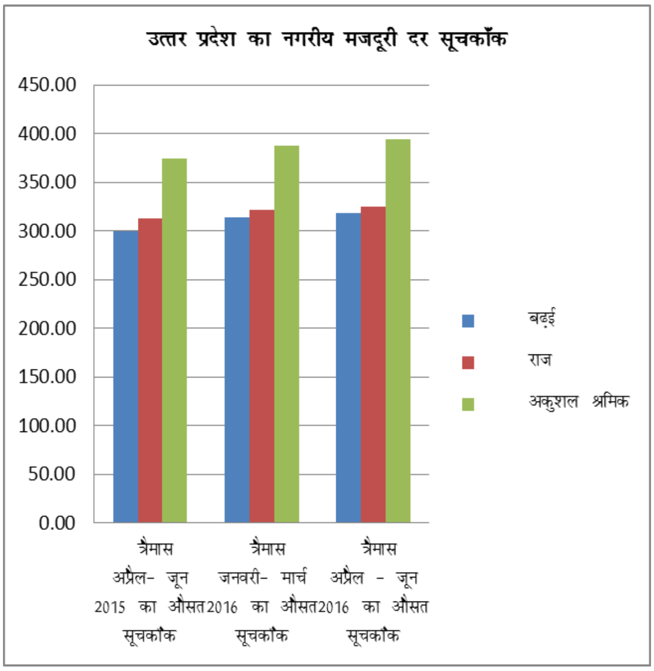

2–वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण

1.वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण : 2012 –2013

वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण वर्ष 2012–13 की रिपोर्ट तैयार करने का कार्य किया जा रहा है।

2.वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण : 2013 –2014

वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण वर्ष 2013–14 के आवन्टित सभी 2956 कारखानों का डेटा इन्ट्री/वैलिडेशन का कार्य पूर्ण कराया गया।

3–राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण

(1) रा.प्र.स. 71वीं आवृत्ति का डेटा इन्ट्री एवं वैलीडेशन का कार्य पूर्ण किया गया

(2) रा.प्र.स. 72 वीं आवृत्ति में आवंटित समस्त 1372 इकाईयों डेटा इन्ट्री कार्य पूर्ण किया गया।

(3) रा0प्र0स0 73वीं आवृत्ति में चतुर्थ उपावृत्ति में आवटिंत 419 इकाईयों में अवशेष 16 इकाइयों का का सर्वेक्षण कार्य किया गया।

(4)अर्थ एवं संख्याधिकारी द्वारा रा0प्र0स0–74वीं आवृत्ति के प्रथम चरण में आवंटित 21987 इकाईयों के सापेक्ष 17896 का सर्वेक्षण/सत्यापन कार्य किया गया ।

(5)अर्थ एवं संख्याधिकारी द्वारा रा0प्र0स0–74वीं आवृत्ति में 934 इकाईयों का निरीक्षण कार्य किया गया ।

(6)उपनिदेशक (अर्थ एवं संख्या) द्वारा रा0प्र0स0–74वीं आवृत्ति की 283 इकाईयों का निरीक्षण कार्य किया गया।

4– आर्थिक गणना

भारत सरकार द्वारा छठी आर्थिक गणना 2012–13 के अखिल भारतीय अन्तिम परिणाम दिनांक 31.03.2016 को जारी कर दिये गये हैं तथा प्रदेश की भारत सरकार द्वारा उपलब्ध करायी गयीं अन्तिम तालिकाओं के आधार पर माह अप्रैल 2016 से जून 2016 के मध्य उपलब्ध कराये गये निष्कर्षों के अतिरिक्त निम्न और निष्कर्ष दृष्टिगोचर हुए हैं, जिन्हें प्रकाशित कराया जाना आवश्यक है–

उद्यम

- स्व–कार्यरत (अर्थात् जिसमें कोई भी कामगार भाड़े पर कार्यरत नहीं है) संचालित उद्यम 50.48 लाख (75.53 प्रतिशत) तथा अवशेष 16.36 लाख (24.47 प्रतिशत) उद्यमों में भाड़े पर कार्यरत कम से कम एक व्यक्ति से संचालित उद्यम पाये गये। वर्ष 2005 के बाद स्व–कार्यरत संचालित उद्यमों में 77.80 प्रतिशत की दर से वृद्धि हुई, जबकि भाड़े पर कार्यरत कम से कम एक व्यक्ति से संचालित उद्यमों की 41.73 प्रतिशत की दर से वृद्धि हुई।
- प्रदेश में 66.84 लाख उद्यमों में से लगभग 86.94 प्रतिशत उद्यम निजी स्वामित्व के अधीन और शेष 3.16 प्रतिशत उद्यम शासकीय/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के रूप में उनके स्वामित्व की सूचना थी। मालिकाना उद्यम 91.13 प्रतिशत थे।
- राज्य में सभी उद्यमों के 43.41 प्रतिशत उद्यम घर पर आधारित थे अर्थात् निवास के अन्दर उद्यम संचालित थे। जबकि निवास के बाहर बिना निश्चित ढ़ांचे वाले उद्यम 43.08 प्रतिशत संचालित थे और शेष 13.51 प्रतिशत निवास के बाहर निश्चित ढ़ांचे वाले उद्यम संचालित थे।
- अधिकांशतः 93.77 प्रतिशत उद्यम बारहमासी प्रकृति के थे। लगभग 5.46 प्रतिशत उद्यम मौसमी प्रकृति के थे और शेष 0.77 प्रतिशत उद्यम आकस्मिक प्रकृति के थे।
- पशुधन 90.77 प्रतिशत कृषि क्षेत्र की प्रमुख आर्थिक गतिविधि थी जबकि गैर–कृषि गतिविधि में खुदरा व्यापार 44.67 प्रतिशत के बाद विनिर्माण क्षेत्र में 21.79 प्रतिशत प्रमुख आर्थिक गतिविधि थी।

मालिकाना उद्यम

- राज्य में सभी उद्यमों के 91.13 प्रतिशत उद्यम मालिक के स्वामित्व वाले थे।
- मालिकाना उद्यमों में से 7.92 प्रतिशत महिला के स्वामित्व वाले थे।

महिला उद्यमी

- महिला उद्यमियों के स्वामित्व वाले उद्यमों की कुल संख्या 4.82 लाख (7.22 प्रतिशत) थी। जिसमें 9.29 लाख (6.58 प्रतिशत) लोगों को रोज़गार उपलब्ध कराया। जिसमें से 3.93 प्रतिशत उद्यम स्वकार्यरत उद्यम थे।
- महिला उद्यमियों के स्वामित्व वाले उद्यमों में से 27.33 प्रतिशत कृषि गतिविधियों से सम्बन्धित उद्यम थे। जिसमें पशुधन 26.00 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ अपना प्रभुत्व रखता है। महिला उद्यमियों के स्वामित्व में गैर–कृषि गतिविधि के अन्तर्गत खुदरा व्यापार और विनिर्माण क्षेत्र में क्रमशः 27.19 प्रतिशत और 24.91 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ प्रमुख आर्थिक गतिविधि थी।
- महिला स्वामित्व वाले उद्यमों में महिलाओं के लिए उद्यमों में प्रति औसत रोज़गार 0.52 प्रतिशत पाया गया।

हस्तशिल्प/हथकरघा उद्यम

- हस्तशिल्प/हथकरघा उद्यमों की कुल संख्या 3.09 लाख (2.20 प्रतिशत) थी। इन उद्यमों में 7.69 लाख (5.45 प्रतिशत) रोज़गार उपलब्ध कराया।
- हस्तशिल्प/हथकरघा उद्यमों की कुल संख्या का 97.26 प्रतिशत मालिक (प्रोपराइटर) के स्वामित्व वाले थे। मालिकाना उद्यमों के 49.98 प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित थे। इन उद्यमों में से 83.96 प्रतिशत पुरुषों, 15.73 प्रतिशत महिलाओं और शेष 931 (0.31 प्रतिशत) अन्य के स्वामित्व वाले थे।

रोज़गार

- प्रदेश में शासकीय/सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम में 5.87 प्रतिशत कामग़ार, निजी (मालिकाना) स्वामित्व वाले उद्यमों में 84.02 प्रतिशत कामग़ार तथा शेष 10.11 प्रतिशत कामग़ार निजी कम्पनियों/स्वयं सहायता समूह/सहकारिता आदि में कार्यरत थे।
- खुदरा व्यापार 36.83 लाख (26.09 प्रतिशत) व्यक्तियों को रोज़गार उपलब्ध कराने में सबसे बड़ा नियोक्ता था।

उसके पश्चात् 33.02 लाख (23.39 प्रतिशत) व्यक्तियों को विनिर्माण क्षेत्र में तथा 25.20 लाख (17.85 प्रतिशत) व्यक्तियों को पशुधन क्षेत्र में रोज़गार प्राप्त था।

- रोज़गार आकार वर्ग के द्वारा उद्यमों के वितरण का पता चलता है कि लगभग 64.52 लाख उद्यमों (96.53 प्रतिशत) में 1–5 कामग़ार तथा 1.88 लाख उद्यमों (2.81 प्रतिशत) में 6–9 कामगार कार्यरत थे, जबकि 0.44 लाख उद्यमों (0.66 प्रतिशत) में 10 या अधिक कामगार कार्य कर रहे थे।
- छठी आर्थिक गणना में प्रति उद्यम औसत रोज़गार पाँचवी आर्थिक गणना के सापेक्ष 1.96 के मुकाबले 2.11 था। छठी आर्थिक गणना में प्रति उद्यम औसत रोज़गार कम से कम एक भाड़े पर कार्यरत व्यक्तियों के उद्यमों के लिए तथा स्व–कार्यरत उद्यमों के लिए क्रमशः 1.88 और 2.18 था।

5–राज्य आय

During this period the quarterly estimate of State Income for the fourth quarter (Q4) of the year 2015-16 was released. According to it in the fourth quarter GSDP & NSDP of the state is estimated to grow at the rate of 7.7% and 7.8% respectively, as compared to the corresponding quarters of 2014-2015.

6–साफ्टवेयर विकास एवं प्रशिक्षण

1–डी0पी0डी0 कार्यालय कोलकाता, भारत सरकार से प्राप्त रा0प्र0स0–73वीं आवृत्ति से सम्बन्धित फेज–1 वैलीडेशन साफ्ट्वेयर के सुगमतापूर्वक संचालन हेतु प्रभाग के क्षेत्रीय कार्यालयों के उपयोगार्थ यूटिलिटी साफ्ट्वेयर का विकास कार्य किया गया।

2–वा0उ0स0 2014–15 के ऑकड़ों की कम्प्यूटर पर डेटा–इन्ट्री एव ऑकड़ों को वैलीडेट करने हेतु डेटा–इन्ट्री एवं वैलीडेशन साफ्ट्वेयर का विकास कार्य किया गया।

3– Support for Statistical Strengthening (SSS) योजना के अन्तर्गत Development of Software for Offline Data Entry विषयक परियोजना प्रस्ताव कार्यदायी संस्था यूपीडेस्को से समन्वय कर प्राप्त कर अग्रिम कार्यवाही की गयी।

4–पी0एस0एम0एस0–5 से सम्बन्धित डेटा–इन्ट्री/वैलीडेशन साफ्टवेयर विकसित कर उसका क्रियान्वयन प्रारम्भ किया गया।

7–ग्राम्य विकास आँकड़ा–

1.क्षेत्रीय अधिकारियों के निरीक्षणों पर आधारित मासिक स्थलीय सत्यापन रिपोर्ट त्रैमासान्त सितम्बर ,2016 में जुलाई से सितम्बर, 2016 तक की संकलित सूचना तैयार कर अनुमोदित कराई गई।

2.ग्राम्य विकास कार्यों का मासिक प्रगति प्रतिवेदन माह अप्रैल, 2016 का प्रतिवेदन तैयार कर संबंधित विभागाध्यक्षों को भेजा गया।

8–ऊषा अनुभाग

अर्थ एवं संख्या प्रभाग द्वारा वर्तमान में प्रदेश के जनपदों में तैनात जिला अर्थ एवं संख्याधिकारियों के माध्यम से प्रत्येक त्रैमास में ऊषा अनुभाग से सम्बन्धित निम्नलिखित सूचनायें एकत्र कर ब्रिक्स साफ्टवेयर पर ऑनलाइन इन्ट्री की जाती है तत्पश्चात मुख्यालय स्तर से परिनिरीक्षणोपरान्त ऑनलाइन अनुमोदन राष्ट्रीय भवन निर्माण संगठन, भारत सरकार को किया जाता है। जुलाई–अगस्त–सितम्बर त्रैमास में निम्न सूचनायें ऑनलाइन अनुमोदित की गयीः–

1– 75 जनपदों के सापेक्ष 75 के भवन निर्माण सम्बन्धी आवश्यक वस्तुओं के फुटकर भाव के आंकड़ें।

2–75 जनपदों के सापेक्ष 75 के भवन निर्माण कार्यो में कार्यरत मजदूरों को मजदूरी की दरों के आंकड़ें।

3–चयनित 35 नगरों के लक्ष्य के सापेक्ष 35 नगरों के नये आवासीय भवनों के परमिट शिड्यूल पार्ट–1 के आंकड़ें।

4–चयनित 63 नगरों के लक्ष्य के सापेक्ष 63 नगरों के जारी किये भवनों के अनुमति प्रमाण पत्र के आंकड़ें।

5–चयनित 35 नगरों के सापेक्ष 35 नगरों के नये आवासीय सम्पत्तियों की सर्किल दरें, बाजार दरें एवं किराया दरों के आंकड़ें।

6–चयनित 35 नगरों के सापेक्ष 35 नगर के जीर्ण–शीर्ण/खतरनाक एवं अनाधिकृत भवनों की वार्षिक सूचना वर्ष 2015 के आंकड़ें।

7– 75 जनपदों के सापेक्ष 75 के निम्न आय वर्ग कर्मचारियों हेतु निर्मित आवास टाइप–1(एल0आई0जी0) के वार्षिक भवन

निर्माण लागत सूचकांक वर्ष 2015–16 के आंकड़े।

9–औद्योगिक उत्पादन सूचकांक–

The monthly Index of Industrial Production for the month of April’2016(P),May’2016(P),June’2016(P)and Julyl’2016(Q)of financial year 2016-17 are prepared at base year 2004-05 in this period. The monthwise sectorial Index and general Index from month April' 2015 to July' 2015 is given in the following table:-

The general Index of month April'2016(P), May'2016 (P),June‘2016(P), July’2016(Q) is showing an increase of 7.34%, 2.61%, 2.47%, & 7.89% respectively from corresponding month of the previous year i.e. April’2015(P), May‘2015(P), June’2015(P) & July’2015(P). The general Index of month April'2016(P), May‘2016(P), June’2016(P) & July’2016(Q) decreased by 3.12%,1.84%,2.83% & 2.67% as compared to the corresponding previous month i.e March'2016(P),April’2016(P) May’2016(P) & June’2016(P).

Monthly	Mining	Electricity	Manufacturing	General Index
April'2016(P)	94.61	577.98	135.65	197.36
May'2016(P)	94.61	571.73	131.99	193.72
June'2016(P)	94.61	568.17	125.29	188.23
July'2016(Q)	94.61	558.13	120.54	183.21

Monthly trend of IIP is shown by the following graph also.

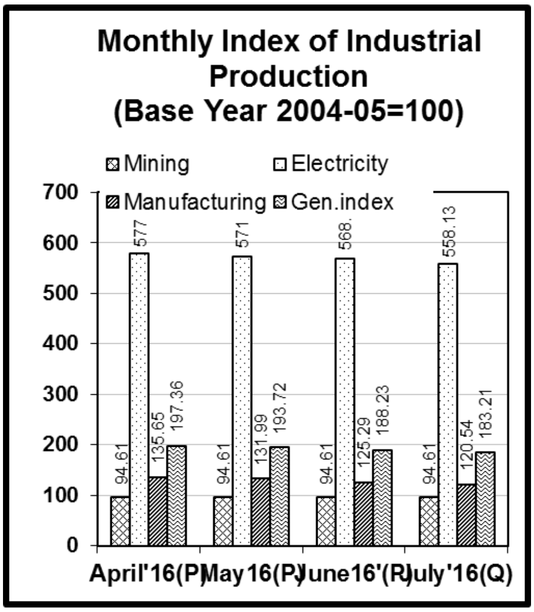

10–विश्लेषण–

रा.प्र.स. 68वीं आवृत्ति अनुसूची 10 पर आधारित रिपोर्ट ‘‘उत्तर प्रदेश में रोजगार–बेरोजगारी की स्थिति (जुलाई 2011–जून 2012)’’ के मुख्य निष्कर्ष

- रा.प्र.स. 68वीं आवृत्ति की अनुसूची 10 ‘**रोजगार–बेरोजगारी**’ में राज्य प्रतिदर्श के अन्तर्गत 1128 प्रतिदर्श इकाईयों का चयन किया गया जिसमें से 740 प्रतिदर्श इकाईयां ग्रामीण तथा 388 इकाईयां नगरीय क्षेत्र की थी। राज्य के ग्रामीण क्षेत्र में 02 प्रतिदर्श इकाईयां गैर आबाद पायी गयी फलस्वरूप ग्रामीण क्षेत्र में कुल 738 प्रतिदर्श इकाईयां तथा नगरीय क्षेत्र में 388 प्रतिदर्श इकाईयां सर्वेक्षित की गयी। इस प्रकार राज्य में कुल 1126 प्रतिदर्श इकाईयां सर्वेक्षित की गयी। ग्रामीण क्षेत्र में **5,904** प्रतिदर्श परिवारों तथा नगरीय क्षेत्र में **3,104** प्रतिदर्श परिवारों से आंकड़े एकत्र किये गये। इस प्रकार कुल **9,008** परिवार सर्वेक्षण में आवृत्त (covered) हुए। इन सर्वेक्षित परिवारों से ग्रामीण क्षेत्र में **33,240** प्रतिदर्श व्यक्ति, नगरीय क्षेत्र में **16,249** प्रतिदर्श व्यक्ति तथा राज्य में कुल **49,489** प्रतिदर्श व्यक्ति आवृत्त (covered) हुए।
- राज्य में 79.6 प्रतिशत परिवार ग्रामीण क्षेत्र में तथा 20.4 प्रतिशत नगरीय क्षेत्र में पाये गये। ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्र में परिवार आकार क्रमशः 5.4 तथा 5.1 पाया गया। जबकि महिला प्रधान परिवार का परिवार आकार ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्र में क्रमशः 4.3 व 4.0 पाया गया।
- ग्रामीण क्षेत्र के सर्वाधिक 59.7 प्रतिशत परिवारों का मुख्य परिवार उद्योग ‘प्राथमिक क्षेत्र’ में पाया गया जबकि

नगरीय क्षेत्र के सर्वाधिक 24.4 प्रतिशत परिवारों का मुख्य उद्योग 'तृतीयक क्षेत्र' में पाया गया।

- राज्य के ग्रामीण क्षेत्र में गैर–कृषि में स्वनियोजित परिवार 10.8 प्रतिशत, कृषि श्रमिक परिवार 13.6 प्रतिशत, अन्य श्रमिक परिवार 18.4 प्रतिशत व कृषि में स्वनियोजित परिवार 45.8 प्रतिशत पाये गये। इसी प्रकार नगरीय क्षेत्र में स्वनियोजित परिवार 46.3 प्रतिशत, नियमित मजदूरी/वेतन अर्जक परिवार 26.4 प्रतिशत, आकस्मिक श्रमिक परिवार 15.4 प्रतिशत व अन्य परिवार 11.9 प्रतिशत अनुमानित हुए।
- राज्य के ग्रामीण क्षेत्र में 0.005 से 0.40 हे0 के मध्य भूमि धारिता के सर्वाधिक परिवार अनुसूचित जाति (58.8 प्रतिशत), अन्य पिछड़ा वर्ग (46.0 प्रतिशत), अनुसूचित जनजाति (41.8 प्रतिशत) तथा अन्य (29.2 प्रतिशत) पाये गये।
- राज्य के ग्रामीण परिवारों में से 24.7 प्रतिशत के पास मनरेगा जॉबकार्ड थे। मनरेगा जॉबकार्ड धारक ग्रामीण परिवारों में से 64.9 प्रतिशत को मनरेगा कार्यों में कार्य मिला तथा 20.4 प्रतिशत परिवारों ने कार्य की तलाश की पर उन्हें कार्य मिला नही, जबकि 14.7 प्रतिशत परिवारों द्वारा कार्य की तलाश नहीं की गयी।

श्रमशक्ति

- राज्य के ग्रामीण क्षेत्र में 28.8 प्रतिशत व्यक्ति प्रायिक कार्यकलाप (मुख्य) अनुसार, 29.3 प्रतिशत व्यक्ति प्रायिक कार्यकलाप (मुख्य+गौण), 29.1 प्रतिशत व्यक्ति चालू साप्ताहिक कार्यकलाप अनुसार तथा 28.6 प्रतिशत व्यक्ति चालू दैनिक कार्यकलाप अनुसार श्रमशक्ति के अन्तर्गत पाये गये। पुरूषों में यह प्रतिशत क्रमशः 48.6, 48.6, 48.3, तथा 48.0 एवं महिलाओं में यह प्रतिशत क्रमशः 6.1, 7.2, 7.1 तथा 6.5 पाया गया।
- राज्य के नगरीय क्षेत्र में प्रायिक कार्यकलाप (मुख्य) अनुसार 30.6 प्रतिशत, प्रायिक कार्यकलाप (मुख्य+गौण) अनुसार 30.7 प्रतिशत, चालू साप्ताहिक कार्यकलाप अनुसार 30.6 प्रतिशत तथा चालू दैनिक कार्यकलाप अनुसार 30.4 प्रतिशत व्यक्ति श्रमशक्ति के अन्तर्गत पाये गये। पुरूषों में यह प्रतिशत क्रमशः 52.0, 52.1, 52.0 तथा 51.9 एवं महिलाओं में क्रमशः 6.1, 6.3, 6.3 तथा 5.9 पाया गया।

कार्यबल

- ग्रामीण क्षेत्र में प्रायिक कार्यकलाप (मुख्य) अनुसार 28.2 प्रतिशत, प्रायिक कार्यकलाप (मुख्य+गौण) अनुसार 28.7 प्रतिशत, चालू साप्ताहिक कार्यकलाप अनुसार 28.4 प्रतिशत तथा चालू दैनिक कार्यकलाप अनुसार 27.7 प्रतिशत व्यक्ति कार्यबल के अन्तर्गत पाये गये। पुरूषों में यह प्रतिशत क्रमशः 47.6, 47.7, 47.1 तथा 46.5 एवं महिलाओं में क्रमशः 5.9, 7.1, 6.9 तथा 6.2 पाया गया।
- नगरीय क्षेत्र में प्रायिक कार्यकलाप (मुख्य) अनुसार 29.7 प्रतिशत, प्रायिक कार्यकलाप (मुख्य+गौण) अनुसार 29.8 प्रतिशत, चालू साप्ताहिक कार्यकलाप अनुसार 29.7 प्रतिशत तथा चालू दैनिक कार्यकलाप अनुसार 29.3 प्रतिशत व्यक्ति कार्यबल के अन्तर्गत पाये गये। पुरूषों में यह प्रतिशत क्रमशः 50.7, 50.8, 50.6 तथा 50.1 एवं महिलाओं में क्रमशः 5.7, 6.0, 5.9 तथा 5.5 पाया गया।

बेरोजगारी

- ग्रामीण क्षेत्र में प्रायिक कार्यकलाप (मुख्य) अनुसार 0.6 प्रतिशत, प्रायिक कार्यकलाप (मुख्य+गौण) अनुसार 0.6 प्रतिशत, चालू साप्ताहिक कार्यकलाप अनुसार 0.7 प्रतिशत तथा चालू दैनिक कार्यकलाप अनुसार 0.9 प्रतिशत व्यक्ति बेरोजगार पाये गये। पुरूषों में यह प्रतिशत क्रमशः 1.0, 1.0, 1.1 तथा 1.5 एवं महिलाओं में क्रमशः 0.2, 0.2, 0.2 तथा 0.2 पाया गया।
- नगरीय क्षेत्र में प्रायिक कार्यकलाप (मुख्य) अनुसार 0.9 प्रतिशत, प्रायिक कार्यकलाप (मुख्य+गौण) अनुसार 0.9 प्रतिशत, चालू साप्ताहिक कार्यकलाप अनुसार 0.9 प्रतिशत तथा चालू दैनिक कार्यकलाप अनुसार 1.1 प्रतिशत व्यक्ति बेरोजगार पाये गये। पुरूषों में यह

प्रतिशत क्रमशः 1.3, 1.3, 1.4 तथा 1.8 जबकि महिलाओं में यह प्रतिशत प्रत्येक कार्यकलाप स्तर पर 0.4 प्रतिशत पाया गया।

''घरेलू कार्य में व्यस्त'' वर्गीकृत महिलाएं (15 वर्ष व अधिक)

- राज्य के ग्रामीण क्षेत्र में 15 वर्ष एवं उससे अधिक आयु वर्ग की 73.9 प्रतिशत महिलाएं पूरे वर्ष घरेलू कार्य करने में व्यस्त पायी गयी। नगरीय क्षेत्र में भी यह प्रतिशत 73.4 पाया गया।
- ग्रामीण क्षेत्र की घरेलू कार्य में व्यस्त महिलाओं में से 58.2 प्रतिशत द्वारा अवगत कराया गया कि घरेलू कार्य करने के लिए कोई दूसरा सदस्य उपलब्ध न होने के कारण ही वे उक्त में संलग्न हैं, जबकि 8.7 प्रतिशत महिलाओं द्वारा सामाजिक और/या धार्मिक प्रतिबन्धों के कारण संलिप्त बतायी गयी।
- नगरीय क्षेत्र की घरेलू कार्य मे व्यस्त महिलाओं में से 52.7 प्रतिशत द्वारा अवगत कराया गया कि घरेलू कार्य करने के लिए कोई दूसरा सदस्य उपलब्ध न होने के कारण ही वे उक्त में संलिप्त हैं, जबकि 8.6 प्रतिशत महिलाओं द्वारा सामाजिक और/या धार्मिक प्रतिबन्धों के कारण संलिप्त बतायी गयी।
- राज्य के ग्रामीण क्षेत्र की घरेलू कार्य में संलिप्त महिलाओं में से सर्वाधिक 4.8 प्रतिशत महिलाओं को डेयरी सम्बन्धी कार्य स्वीकार था। दर्जीगिरी तथा कताई व बुनाई सम्बन्धी कार्य स्वीकार करने वाली महिलाओं का प्रतिशत क्रमशः 3.4 तथा 1.3 अनुमानित हुआ।
- राज्य के नगरीय क्षेत्र की घरेलू कार्य में संलिप्त महिलाओं में सर्वाधिक 6.7 प्रतिशत महिलाओं को दर्जीगिरी सम्बन्धी कार्य स्वीकार था। कताई व बुनाई तथा डेयरी सम्बन्धी कार्य को स्वीकार करने वाली महिलाओं का प्रतिशत क्रमशः 1.7 तथा 1.3 अनुमानित हुआ।
- ग्रामीण क्षेत्र में 48.2 प्रतिशत महिलाओं ने स्वीकार करने योग्य कार्य हेतु आवश्यक कौशल की महत्ता पर बल दिया, जबकि नगरीय क्षेत्र की महिलाओं में यह 35.5 प्रतिशत रहा।

रोजगार स्तर, उद्योग वर्ग संकेतांक व प्रायिक कार्यकलाप स्तर के अनुसार नियोजित व्यक्तियों का वितरण

- राज्य के ग्रामीण क्षेत्र में समस्त नियोजित पुरूषों में से 60.71 प्रतिशत 'कृषि उद्योग वर्ग', 24.76 प्रतिशत 'उत्खनन, विनिर्माण एवं निर्माण उद्योग वर्ग' तथा 14.53 प्रतिशत 'व्यापार, सेवा आदि उद्योग वर्ग' में कार्यरत थे, जबकि उक्त प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्र की समस्त नियोजित महिलाओं के मामले में क्रमशः 76.66, 12.45 व 10.89 प्रतिशत अनुमानित हुआ।
- नगरीय क्षेत्र में समस्त नियोजित पुरूषों में से 8.48 प्रतिशत 'कृषि उद्योग वर्ग', 33.45 प्रतिशत 'उत्खनन, विनिर्माण एवं निर्माण उद्योग वर्ग' तथा 58.06 प्रतिशत 'व्यापार, सेवा आदि उद्योग वर्ग' में कार्यरत थे, जबकि उक्त प्रतिशत नगरीय क्षेत्र की समस्त नियोजित महिलाओं के मामले में क्रमशः 8.92, 31.07 व 60.01 प्रतिशत अनुमानित हुआ।
- राज्य के ग्रामीण क्षेत्र में नियोजित पुरूषों में से 59.96 प्रतिशत स्व–नियोजित व 33.91 प्रतिशत आकस्मिक श्रमिक थे, जबकि नियमित मजदूरी/वेतनभोगी पुरूषों का प्रतिशत मात्र 6.12 प्रतिशत था। उक्त प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं के मामले में क्रमशः 63.67, 29.67 व 6.67 प्रतिशत अनुमानित हुआ।
- नगरीय क्षेत्र में नियोजित पुरूषों में से 54.33 प्रतिशत स्व–नियोजित व 19.67 प्रतिशत आकस्मिक मजदूर थे, जबकि नियमित मजदूरी/वेतनभोगी पुरूषों का प्रतिशत 26.00 प्रतिशत था। उक्त प्रतिशत नगरीय क्षेत्र की महिलाओं के मामले में क्रमशः 46.08, 15.55 व 38.36 प्रतिशत अनुमानित हुआ।

नियमित मजदूरी/वेतनभोगी कर्मकरों की औसत परिलब्धियाँ (regular wage/salaried)

- राज्य के 15–59 वर्ष आयुवर्ग के नियमित वैतनिक/मजदूरी कर्मियों की प्रतिदिन औसत परिलब्धियां रू. 449.47 अनुमानित हुई जबकि ग्रामीण तथा नगरीय क्षेत्र के मामले में यह अनुमान क्रमशः रू. 336.02 तथा 544.83 पाया गया ।
- ग्रामीण क्षेत्र में 15–59 वर्ष आयु वर्ग के नियमित वेतन/मजदूरी वाले कर्मकरों की प्रतिदिन औसत मजदूरी पुरूषों हेतु रू. 350.01 तथा महिलाओं हेतु रू. 239.44 पायी गयी। जबकि नगरीय क्षेत्र में यह क्रमशः रू. 534.79 तथा रू. 610.05 पायी गयी।
- औसत मजदूरी/वेतनभोगी कर्मकरों की औसत परिलब्धियों का उद्योग वर्गवार अध्ययन करने पर पाया गया कि ग्रामीण क्षेत्र में व्यक्ति सेवा क्षेत्र में सर्वाधिक रू. 495.80 व कृषि क्षेत्र में न्यूनतम रू.109.30 औसत मजदूरी/वेतन अर्जित करते हुए पाये गये। नगरीय क्षेत्र के मामले में व्यक्ति सर्वाधिक रू. 725.71 सेवा क्षेत्र में तथा न्यूनतम रू.178.04 व्यापार क्षेत्र में औसत मजदूरी/वेतन अर्जित करते हुए पाये गये।

प्रायिक कार्यकलाप (मुख्य) व उद्यम प्ररूप अनुसार औद्योगिक वर्गीकरण संकेतांक (Industrial classification code) 014, 016, 017, 02, 03 में कार्यरत व्यक्ति

- राज्य में मालिकाना/साझेदारी उद्यम प्ररूप के अन्तर्गत सर्वाधिक 85.9 प्रतिशत व्यक्ति कार्यरत अनुमानित हुये जबकि अन्य तथा सरकारी/सार्वजनिक प्ररूप के अन्तर्गत क्रमशः 13.6 व 0.5 प्रतिशत व्यक्ति कार्यरत अनुमानित हुये।
- ग्रामीण क्षेत्र में मालिकाना/साझेदारी उद्यम प्ररूप के अन्तर्गत सर्वाधिक 82.3 प्रतिशत व्यक्ति कार्यरत अनुमानित हुये जबकि अन्य तथा सरकारी/सार्वजनिक प्ररूप के अन्तर्गत क्रमशः 17.0 व 0.6 प्रतिशत व्यक्ति कार्यरत अनुमानित हुये।
- नगरीय क्षेत्र में मालिकाना/साझेदारी उद्यम प्ररूप के अन्तर्गत सर्वाधिक 98.7 प्रतिशत व्यक्ति कार्यरत अनुमानित हुये जबकि अन्य प्ररूप के अन्तर्गत मात्र 1.3 प्रतिशत व्यक्ति कार्यरत अनुमानित हुये।

प्रायिक कार्यकलाप (मुख्य) व उद्यम प्ररूप अनुसार औद्योगिक वर्गीकरण संकेतांक (Industrial classification code) 05–99 में कार्यरत व्यक्ति

- राज्य में मालिकाना/साझेदारी उद्यम प्ररूप के अन्तर्गत सर्वाधिक 78.3 प्रतिशत व्यक्ति कार्यरत अनुमानित हुये जबकि सरकारी/सार्वजनिक तथा अन्य प्ररूप के अन्तर्गत क्रमशः 11.2 व 10.5 प्रतिशत व्यक्ति कार्यरत अनुमानित हुये।
- ग्रामीण क्षेत्र में मालिकाना/साझेदारी उद्यम प्ररूप के अन्तर्गत सर्वाधिक 77.6 प्रतिशत व्यक्ति कार्यरत अनुमानित हुये जबकि सरकारी/सार्वजनिक तथा अन्य प्ररूप के अन्तर्गत क्रमशः 11.3 व 11.1 प्रतिशत व्यक्ति कार्यरत अनुमानित हुये।
- नगरीय क्षेत्र में मालिकाना/साझेदारी उद्यम प्ररूप के अन्तर्गत सर्वाधिक 79.4 प्रतिशत व्यक्ति कार्यरत अनुमानित हुये जबकि सरकारी/सार्वजनिक तथा अन्य प्ररूप के अन्तर्गत क्रमशः 11.1 व 9.5 प्रतिशत व्यक्ति कार्यरत अनुमानित हुये।

प्रायिक कार्यकलाप (मुख्य+गौड़) व उद्यम प्ररूप अनुसार औद्योगिक वर्गीकरण संकेतांक (Industrial classification code) 014,016,017,02,03 में कार्यरत व्यक्ति

- राज्य में प्रायिक कार्यकलाप (मुख्य+गौण) व उद्यम प्ररूप अनुसार औद्योगिक वर्गीकरण कोड (Industrial classification code) 014, 016, 017, 02, 03 में मालिकाना/साझेदारी उद्यम प्ररूप के अन्तर्गत सर्वाधिक 91.8 प्रतिशत व्यक्ति कार्यरत अनुमानित हुये जबकि अन्य तथा सरकारी/सार्वजनिक प्ररूप के अन्तर्गत क्रमशः 7.9 व 0.3 प्रतिशत व्यक्ति कार्यरत अनुमानित हुये।
- राज्य में सर्वाधिक 88.8 प्रतिशत व्यक्ति स्व–नियोजित कार्यकलाप स्तर के अन्तर्गत कार्यरत पाये गये। नियमित मजदूरी/वेतनभोगी, अनियमित मजदूरी सार्वजनिक कार्य तथा अनियमित

मजदूरी अन्य कार्य में क्रमशः 2.1, 7.3 तथा 1.8 प्रतिशत व्यक्ति कार्यरत पाये गये।

प्रायिक कार्यकलाप (मुख्य+गौड़) व उद्यम प्ररूप अनुसार औद्योगिक वर्गीकरण संकेतांक (Industrial classification code) 05–99 में कार्यरत व्यक्ति

- राज्य में औद्योगिक वर्गीकरण कोड (Industrial classification code) वर्ग 05–99 में मालिकाना/साझेदारी उद्यम प्ररूप के अन्तर्गत सर्वाधिक 78.3 प्रतिशत व्यक्ति अनुमानित हुये जबकि सरकारी/सार्वजनिक तथा अन्य प्ररूप के अन्तर्गत क्रमशः 11.3 व 10.4 प्रतिशत व्यक्ति कार्यरत अनुमानित हुये।
- राज्य में 'अनियमित मजदूरी अन्य कार्य' कार्यकलाप स्तर के अन्तर्गत 37. 8 प्रतिशत तथा स्व–नियोजित में 37.5 प्रतिशत व्यक्ति कार्यरत पाये गये।

औद्योगिक वर्गीकरण व प्रायिक कार्यकलाप (मुख्य) अनुसार नियोजित व्यक्तियों का आर्थिक सम्भागवार वितरण

- ग्रामीण क्षेत्र के प्रथमिक क्षेत्र (कृषि एवं खनन) में नियोजित व्यक्ति केन्द्रीय सम्भाग में सर्वाधिक 69.5 प्रतिशत तथा पूर्वी सम्भाग में न्यूनतम 60.1 प्रतिशत कार्यरत अनुमानित हुए।
- ग्रामीण क्षेत्र में द्वितीयक क्षेत्र (निर्माण एवं विनिर्माण) के अन्तर्गत नियोजित व्यक्ति बुन्देलखण्ड सम्भाग में सर्वाधिक 28.0 प्रतिशत तथा केन्द्रीय सम्भाग में न्यूनतम 20.4 प्रतिशत कार्यरत अनुमानित हुए।
- ग्रामीण क्षेत्र में तृतीयक क्षेत्र (सेवायें) के अन्तर्गत नियोजित व्यक्ति पश्चिमी सम्भाग में सर्वाधिक 16.1 प्रतिशत तथा बुन्देलखण्ड सम्भाग में न्यूनतम 6.2 प्रतिशत कार्यरत अनुमानित हुए।
- नगरीय क्षेत्र के प्राथमिक क्षेत्र (कृषि एवं खनन) में नियोजित व्यक्ति बुन्देलखण्ड सम्भाग में सर्वाधिक 10.9 प्रतिशत तथा पश्चिमी व केन्द्रीय सम्भाग में न्यूनतम 8.4 प्रतिशत कार्यरत अनुमानित हुए।
- नगरीय क्षेत्र के द्वितीयक क्षेत्र (निर्माण एवं विनिर्माण) में नियोजित व्यक्ति पूर्वी सम्भाग में सर्वाधिक 35.0 प्रतिशत तथा
- बुन्देलखण्ड सम्भाग में न्यूनतम 26.8 प्रतिशत कार्यरत अनुमानित हुए।
- नगरीय क्षेत्र के तृतीयक क्षेत्र (सेवायें) में नियोजित व्यक्ति केन्द्रीय सम्भाग में सर्वाधिक 62.6 प्रतिशत तथा पूर्वी सम्भाग में न्यूनतम 56.1 प्रतिशत कार्यरत अनुमानित हुए।

कार्मिक

नियुक्तिः–

1. प्रभाग पत्र दिनांक 30.8.2016 द्वारा 01 मृतक आश्रित को कनिष्ठ सहायक के पद पर नियुक्ति आदेश निर्गत किये गये है।

पदोन्नतिः–

1. शासन के कार्यालय ज्ञाप दिनांक 06.07.2016 द्वारा 13 अर्थ एवं संख्याधिकारियों के पद पर पदोन्नत आदेश जारी किये गये।

2. शासन के कार्यालय ज्ञाप दिनांक 05.08.2016 द्वारा 1 अपर निदेशक के पद पर पदोन्नत आदेश जारी किये गये।

3. शासन के कार्यालय ज्ञाप दिनांक 28.08.2016 द्वारा 1 संयुक्त निदेशक के पद पर पदोन्नत आदेश जारी किये गये।

4. शासन के कार्यालय ज्ञाप दिनांक 22.09.2016 द्वारा 3 उपनिदेशक के पद पर पदोन्नत आदेश जारी किये गये।

5. प्रभाग के कार्यालय ज्ञाप दिनांक 29.09.2016 द्वारा 30 अपर सॉख्यिकीय अधिकारी के पद पर पदोन्नत आदेश जारी किये गये।

समयमान वेतनमान/वित्तीय स्तरोन्नयन

1. प्रभाग के कार्यालय ज्ञाप दिनांक 28.7.2016 द्वारा 01 सहायक सॉख्यिकीय अधिकारी को 10 वर्ष की सेवा पर प्रथम वित्तीय स्तरोन्नयन का लाभ स्वीकृत किया गया।

2. प्रभाग के कार्यालय ज्ञाप दिनांक 28.7.2016 द्वारा 02 सहायक सॉख्यिकीय अधिकारी को 16 वर्ष की सेवा पर द्वितीय वित्तीय स्तरोन्नयन का लाभ स्वीकृत किया गया।

3. प्रभाग के कार्यालय ज्ञाप दिनांक 28.7.2016 द्वारा 05 सहायक सॉख्यिकीय अधिकारी को 26 वर्ष की सेवा पर

तृतीय वित्तीय स्तरोन्नयन का लाभ स्वीकृत किया गया।

4. शासन के कार्यालय ज्ञाप दिनांक 22.8.2016 द्वारा 09 अर्थ एवं संख्याधिकारियों को 10 वर्ष की सेवा पर प्रथम वित्तीय स्तरोन्नयन का लाभ स्वीकृत किया गया।

5. प्रभाग के कार्यालय ज्ञाप दिनांक 22.8.2016 द्वारा 04 अर्थ एवं संख्याधिकारियों को 16 वर्ष की सेवा पर द्वितीय वित्तीय स्तरोन्नयन का लाभ स्वीकृत किया गया।

6. प्रभाग के कार्यालय ज्ञाप दिनांक 19.7.2016 द्वारा 45 अपर सॉख्यिकीय अधिकारी को 16 वर्ष की सेवा पर द्वितीय वित्तीय स्तरोन्नयन का लाभ स्वीकृत किया गया।

<u>स्थानान्तरणः–</u>

प्रभाग में 149 स्थानान्तरित कार्मिकों की पदवार स्थिति निम्न प्रकार हैः–

1.	01	उपनिदेशक
2.	23	अर्थ एवं सख्याधिकारी
3.	51	अपर सॉख्यिकीय अधिकारी
4.	32	सहायक सॉख्यिकीय अधिकारी
5.	03	वरिष्ठ कलाकार
6.	15	वरिष्ठ सहायक
7.	10	कनिष्ठ सहायक
8.	03	चालक
9.	11	चपरासी

<u>सेवानिवृत्तिः–</u>

प्रभाग में 34 सेवा निवृत्त कार्मिकों की स्थिति निम्न प्रकार हैः–

1. 01 अपर निदेशक–

श्री सुरेन्द्र नाथ त्रिपाठी, मुख्यालय दिनांक 31.7.2016

2. 04 अर्थ एवं संख्याधिकारी

श्री रविन्द्र कुमार वर्मा जनपद अलीगढ मण्डल दिनांक 31.7.2016

श्री लक्ष्मीकान्त सिंह, जनपद जौनपुर दिनांक 31.7.2016

श्री अवधेश कुमार अग्रहरि जनपद गोण्डा दिनांक 31.7.2016

श्री रतन चन्द्र कालिया जनपद फैजाबाद मण्डल दिनांक 31.8.2016

3. 15 अपर सांख्यिकीय अधिकारी

श्री राम आसरे द्विवेदी, (वित्त वेतन आयोग) दिनांक 31.7.2016

श्री जागन लाल, जनपद रामपुर दिनांक 31.7.16

श्री महावीर सिंह, खण्ड विकास अधिकारी दिनांक 31.7.16

श्री रामखेलावन(2), जनपद बांदा दिनांक 31.7.2016

श्री प्रेमपाल सिंह, जनपद गौतमबुद्ध नगर दिनांक 31.7.16

श्री दरगाही, जनपद फैजाबाद दिनांक 31.7.16

श्री अबदुलगनी, जनपद चित्रकूट दिनांक 31.7.16

श्री राजेन्द्र सिंह, जनपद फर्रूखाबाद दिनांक 31.7.16

श्री कमलेश कुमार दीक्षित, जनपद खीरी दिनांक 31.7.16

श्री छोटेलाल, जनपद महोबा दिनांक 31.7.16

श्री रामप्रताप सरोज, जनपद सुल्तानपुर दिनांक 31.8.16

श्री सुभाष चन्द्र पंवार, जनपद जे0पी0नगर दिनांक 31.8.16

श्री हौसिला प्रसाद, जनपद हमीरपुर दिनांक 31.8.16

श्री जगदीश नारायण, जनपद महराजगंज दिनांक 31.8.16

श्री नरेन्द्र कुमार, जनपद मुरादाबाद दिनांक 31.8.16

4. 07 सहायक सांख्यिकी अधिकारी

श्री रणधीर सिंह, जनपद मु0नगर दिनांक 31.7.2016

श्री मदनलाल शर्मा, जनपद रामपुर दिनांक 31.7.2016

श्री सुरेश चन्द्र गौतम, जनपद औरैया दिनांक 31.7.2016

श्रीमती सुमनलता श्रीवास्तव जनपद जालौन दिनांक 31.8.2016

श्री अशोक कुमार, जनपद बदायॅू दिनॉक 31.8.2016

श्री नन्दलाल प्रसाद, जनपद गाजीपुर दिनांक 30.9.2016

श्री काशीराम जनपद हमीरपुर दिनॉक 30.9.2016

5. 01 मुख्य कलाकार

श्री सैय्यद अब्बास रजा रिजवी, जनपद गोण्डा दिनांक 31.8.2016

6. 02 अनुसचिवीय संवर्ग

श्री अवधेश कुमार, वरिष्ठ सहायक जनपद इलाहाबाद दिनांक 31.7.2016

श्री गिरधारी लाल, कनिष्ठ सहायक मुख्यालय दिनांक 30.9.2016

7. 01 चालक

श्री विजय बहादुर, जनपद फिरोजाबाद, दिनांक 31.7.2016

8. 03 चपरासी
श्रीमती अन्नपूर्णा देवी, मुख्यालय दिनांक 31.7.2016
श्री छत्रपाल यादव, मुख्यालय दिनांक 30.9.2016
श्रीमती भानमती, जनपद फैजाबाद दिनांक 30.9.2016

शोक सन्देश :–

अर्थ एवं संख्या परिवार के कार्मिक श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव, वरिष्ठ सहायक,जनपद जौनपुर के दिनांक 23.8.2016 को हुए आकस्मिक निधन पर संवेदना व्यक्त करता है।

प्रशिक्षण / कार्यशाला–

- ▪ अधिष्ठान एवं वित्तीय सम्बन्धी प्राविधानों के विशेष सन्दर्भ में दिनांक 11.07.2016 से 15.07. 2016 तथा दिनांक 29.08.2016 से 02.09.2016 के मध्य प्रशिक्षण प्रभाग, राज्य नियोजन संस्थान, लखनऊ में प्रभाग के 34 अधिकारियों ने पुनः बोधात्मक प्रशिक्षण प्राप्त किया।
- दिनांक 12.07.2016 को श्री महबूब अली, मंत्री जी, अर्थ एवं संख्या, उ. प्र. सरकार द्वारा प्रभागीय अधिकारियों एवं मण्डलीय उप निदेशकों के साथ एक समीक्षा बैठक की गयी, जिसमें श्री अरूण कुमार सिन्हा, प्रमुख सचिव, नियोजन, उ.प्र. शासन भी उपस्थित रहे। इस बैठक में मंत्री जी द्वारा प्रभाग द्वारा सम्पादित हो रहे कार्यों की अद्यतन स्थिति के साथ क्षेत्रीय स्तर पर विभाागीय अधिकारियों द्वारा सम्पादित कार्यों की तथा समस्त अधिकारियों को शासन की मंशा के अनुरूप पारदर्शी प्रकार से सांख्यिकीय आँकड़ों एवं परिणामों को जनसामान्य को सर्व सुलभ कराये जाने की अपेक्षा की गयी।
- ▪ ''प्रायोजन नियोजन एवं प्रबन्धन'' विषय पर प्रभाग श्री अनिल कुमार सिंह, अपर सांख्यिकीय अधिकारी, श्री राकेश कुमार, अपर सांख्यिकीय अधिकारी तथा श्री कमलेश कुमार सिंह, अपर सांख्यिकीय अधिकारी द्वारा दिनांक 18.07.2016 से 22.7.2016 के मध्य प्रशिक्षण प्रभाग, राज्य नियोजन संस्थान, लखनऊ में प्रशिक्षण प्राप्त किया गया।
- वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण 2014–15 के सर्वेक्षित कारखानों के आंकड़ों की डेटा इन्ट्री / वैलीडेशन साफ्टवेयर के संचालन हेतु दिनांक 30.08.2016 को प्रभाग मुख्यालय पर आयोजित एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला में प्रदेश के मण्डलों पर तैनात अपर सां0 अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।
- श्रम ब्यूरो, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार, चंडीगढ़ द्वारा सम्पन्न कराये जाने वाले छठवें रोजगार बेरोजगार सर्वेक्षण 2016 के पर्यवेक्षणीय कार्य हेतु दो दिवसीय कार्यशाला दिनांक 21 एवं 22 सितम्बर 2016 को सम्पन्न करायी गयी, जिसमें प्रदेश के समस्त जनपदों से अर्थ एवं संख्याधिकारी ग्रुप–A एवं एक अपर अथवा सहायक सांख्यिकीय अधिकारी ने प्रतिभाग किया।
- ▪ राज्य के इनोवेशन के सम्बन्ध में अद्यतन स्थिति से अभिज्ञानित करने तथा प्रशिक्षण देने के लिए दिनांक 30.9.2016 को योजना भवन, लखनऊ में कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण वर्ष 2014–15 से सम्बन्धित डेटा इन्ट्री एवं वैलीडेशन साफ्टवेयर विषयक एक दिवसीय प्रशिक्षण मण्डल के अपर सॉख्यिकीय अधिकारियों को प्रदान किया गया।

PHOTO SECTION

दिनांक 12.07.2016 को मा0 मंत्री जी, अर्थ एवं संख्या प्रभाग द्वारा आहूत बैठक

दिनांक 12.07.2016 को मा0 मंत्री जी, अर्थ एवं संख्या प्रभाग द्वारा आहूत बैठक

Comparative Statistics of UP and India at a Glance (July-September)					
Sl.No.	**Indicators**	2014-15		2015-16	
		UP(RQ)	INDIA(Ist RE.)	UP(RA)	INDIA(PE)
1-	**GrowthRate GSVA/GVA(At Constant Prices)**				
(a)	Primary Sector	-2.5	1.3	5.7	2.22
(b)	Secondary Sector	6.3	5.4	5.3	7.39
(c)	Tertiary Sector	10.4	10.3	8.2	8.92
(d)	GSDP/GDP	6.3	7.2	7.1	7.6
2-	**Sectoral Composition of GSVA/GVA(At current Prices)**				
(a)	Primary Sector	26.7	20.0	26.9	19.6
(b)	Secondary Sector	26.2	27.4	26.0	27.1
(c)	Tertiary Sector	47.1	52.6	47.1	53.3
3-	**GSDP/GDP(At current prices) (in Cr. Rs.)**	1043371	12488205	1153795	13576086
4-	**Per Capita Income (At Current Prices) (in Rs.)**	43861	86879	48520	93293
RQ-Revised Quick Estimates, RE-Revised Estimates, RA-Revised Advance Estimates, PE-Provisional Estimates					

PRICE & WAGES INDICES FOR QTR-JULY-SEPT 2016					
5	Agriculture Parity Index(base year 2004-05)	2013-14	103.42	2014-15	107.70(P)
6	Wholesale Price Index	Apr-jun 2015(base year 2004-05)	199.66	Apr-jun 2016(base year 2011-12)	134.99
7	Consumer Price Index-Urban(base year 2004-05)	Apr-jun 2015	220.34	Apr-Jun 2016	234.31
8	Consumer Price Index-Rural(base year 2004-05)	Apr-jun 2015	233.39	Apr-Jun 2016	253.34
9	Urban Wage Index for Mason(base year 2004-05)	Apr-jun 2015	312.90	Apr-Jun 2016	325.04
10	Urban Wage Index for Carpenter(base year 2004-05)	Apr-jun 2015	299.91	Apr-Jun 2016	318.77
11	Urban wage Index for Unskilled Labour(base year 2004-05)	Apr-jun 2015	373.99	Apr-Jun 2016	394.47
12	Rural Wage Index for Mason(base year 2004-05)	Apr-jun 2015	309.71	Apr-Jun 2016	329.97
13	Rural Wage Index for Carpenter(base year 2004-05)	Apr-jun 2015	300.97	Apr-Jun 2016	321.23
14	Rural Wage Index for Agriculture Labour(base year 2004-05)	Apr-jun 2015	339.63	Apr-Jun 2016	365.7
P-PROVISIONAL ESTIMATES					

IIP INDICES (QUARTER JULY-SEPTEMBER 2016)							
SI. NO.	INDICATORS	PERIOD	INDEX	PERIOD	Index	PERIOD	Index
1	Index Of Industrial Production:Annual	2013-14	186.53	2014-15	187.83	_	_
	(base year2004-05)						
2	Index Of Industrial Production:Monthly	APRIL'15(P)	183.87	APRIL'16(P)	197.36	_	_
	(base year(2004-05)						
3	Index Of Industrial Production:Monthly	MAY'15(P)	188.79	MAY'16(P)	193.72	_	_
	(base year(2004-05)						
4	Index Of Industrial Production:Monthly	JUNE'15(P)	183.69	JUNE'16(P)	188.23	_	_
	(base year(2004-05)						
5	Index Of Industrial Production:Monthly	JULY'15(P)	169.81	JULY'16(Q)	183.21	_	_
	(base year(2004-05)						
6	Agriculture Volume Index	2012-13(F)	124.82	2013-14(P)	121.92	2014-15(Q)	115.41
	(base year(2004-05)						
7	Agriculture Value Index	2012-13(F)	236.62	2013-14(P)	246.53	2014-15(Q)	247.01
(base year(2004-05)							
Q-Quick Estimates, P-Provisional Estimates ,F-Final Estimates							

STATISTICS UPLOADED ON THE DEPARTMENTAL WEBSITE DURING THE QUARTER JULY- SEPTEMBER 2016
http://updes.up.nic.in/

(i) औद्योगिक उत्पादन सूचकांक Use based Categorlsation year 2015-16 month- march 2016

(ii) औद्योगिक उत्पादन सूचकांक 2-digit level year 2015-16 month- march 2016

(iii) उत्तर प्रदेश का ग्रामीण उपभोक्ता भाव सूचकांक जनवरी–मार्च, 2016

(iv) उत्तर प्रदेश का नगरीय उपभोक्ता भाव सूचकांक जनवरी–मार्च, 2016

(v) उत्तर प्रदेश का ग्रामीण एवं नगरीय मजदूरी दर सूचकांक जनवरी–मार्च, 2016

(vi) उत्तर प्रदेश के थोक भाव सूचकांक जनवरी मार्च, 2016

(vii) 47 आवश्यक वस्तुओं की साप्ताहिक केन्द्रवार फुटकर भावों में वृद्धि एवं ह्ास की स्थिति,

(viii) Industrial Production Index(2-digit level) 2015-16 (2004-05=100) Monthly April'2015(P) to Mar'16(P)

(ix) Industrial Production Index Use Based Categorisation 2015-16 (2004-05=100) Monthly April'2015(P) to Mar'2016 (P)

(x) Industrial Production Index(2-digit level) 2016-17 (2004-05=100) Monthly April'2016(Q)

(xi) Industrial Production Index Use Based Categorisation 2016-17 (2004-05=100) Monthly April'2016(Q)

(xii) Industrial Production Index(2-digit level) 2016-17 (2004-05=100) Monthly (April'2016(P), May'2016(Q)

(xiii) Industrial Production Index Use Based Categorisation 2016-17 (2004-05=100) Monthly , April'2016(P),May'2016(Q)

(xiv) Press Release of Quarterly Estimates of State Income for the Fourth Quarter (Q4) of 2015-16 (Jan 16-Mar 16) (Base Year 2011-12) Dated 31.08.2016.

(xv) Industrial Production Index(2-digit level) 2016-17 (2004-05=100) Monthly April'2016(P), May 2016(P) ,June 2016(Q).

(xvi) Industrial Production Index Use Based Categorisation 2016-17(2004-05=100) Monthly, April' 2016(P), May 2016(P) ,June 2016(Q).

(xvii) A book based on analysis of Business Register data.

DIRECTORATE OF ECONOMICS AND STATISTICS,
ARTH EVAM SANKHYA BHAWAN,
9, SAROJINI NAIDU MARG,
(Post Box no.:-113)
LUCKNOW-226001
http://updes.up.nic.in
Phone: 0522- 2238969 Fax: 0522-2238965
Email-id:-upesd@up.nic.in ; coordesd@up.nic.in